समय : 2 घंटे **पूर्णांक : 60**

प्रश्न 1) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (40)

क) रूप विज्ञान का स्वरूप बताते हुए रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारणों की चर्चा कीजिए।

ख) शब्द और अर्थ का संबंध स्पष्ट करते हुए अर्थ परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

ग) संज्ञा में लिंग, वचन तथा कारक के आधार पर रूपांतर स्पष्ट करें।

घ) देवनागरी लिपि के नामकरण की चर्चा करते हुए उद्‌द्भव और विकास को समझाइए।

प्रश्न 2) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। (10)

च) वाक्य परिवर्तन के कारण।

छ) अर्थ विज्ञान की अवधारणा।

ज) हिन्दी की शब्द रचना।

झ) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

प्रश्न 3) (अ)निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (5)

१) रूप विज्ञान को अंग्रेजी में क्या कहते है?

२) वाक्य में कौन सा तत्व मुख्य होता है?

३) अभिहितान्वयवाद के प्रवर्तक कौन है?

४) मुनि यास्क ने अर्थ परिवर्तन की कितनी दिशाएँ मानी हैं?

५) देवनागरी लिपि में कुल वर्ण कितने हैं?

(ब) उचित पर्याय चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5)

१) रूप विज्ञान को प्राचीन काल में क्या कहते थे?

(अ) पद विज्ञान (आ) शब्द विज्ञान (इ) अनुवाद विज्ञान (ई) वाक्य विज्ञान

२) भोलानाथ तिवारी के अनुसार रूप परिवर्तन की कितनी दिशाएँ हैं?

(अ) चार (आ) पाँच (इ) छह (ई) नौ

३) किस विद्वान ने अर्थ को शब्द की आंतरिक शक्ति माना है?

(अ) पाणिनी (आ) पतंजलि (इ) मुनि यास्क (ई) भर्तृहरि

४) जिन संज्ञा शब्दों के अंत में व्यंजन आते हैं वे क्या कहलाते है?

(अ) स्वरांत (आ) इकारांत (इ) व्यंजनांत (ई) उकारांत

५) भारत की प्रमुख लिपि कौन सी है?

(अ) देवनागरी लिपि (आ) रोमन लिपि (इ) खरोष्ठी लिपि (ई) कुटिल लिपि

****

X279Y8978F4X279Y8978F4X279Y8978F4X279Y8978F4